

**फलीता** पुं. (अर.) 1. प्रेतबाधा करने वाले रोगी को दी जाने वाली ताबीज की बत्ती 2. ताबीज।

**फलीदार** पुं. (तत्.+तद्.) 1. फलियों वाला पौधा, या लता 2. जिसमें फलियाँ लगी हों या लगती हों ऐसा वृक्ष, लता, पौधा।

**फलीभूत** पुं. (तत्.) 1. सार्थक 2. जिसका फल मिल चुका हो या जिसका फल प्रकट हो गया हो जैसे- योजना का फलीभूत होना, परिश्रम का फलीभूत होना।

**फलेंदा/फलैंदा** पुं. (तत्.) 1. अधिक गूदे वाला जामुन का फल 2. अधिक गूदे के कारण फूला और मीठा जामुन।

**फलोद्भूत** पुं. (तत्.) 1. फल से उत्पन्न 2. जो फल से उपजा हो।

**फलोद्यान** पुं. (तत्.) फल का बगीचा या उद्यान।

**फव्वारा** पुं. (तत्.) 1. ऊपर से पानी बहाने वाला झरना/यंत्र, फुहारा 2. झरना, जल स्रावक, जलयंत्र 3. द्रव वस्तु की तेजधार।

**फसकड़ा** पुं. (देश.) बैठने का एक विशेष प्रकार का ढंग जिसमें नितंब टेककर और टांगे फैलाकर बैठा जाता है मुहा. फसकड़ा मारना- उक्त प्रकार से बैठना।

**फसकना** अ.क्रि. (देश.) धँसना, फटना वि. जो जल्दी धँस जाये या मसक जाए।

**फसद** स्त्री. (अर.) जिस क्रिया के द्वारा नसों में से दूषित रक्त निकाला जाए 2. चीर फाड़ करने वाला यंत्र या चाकू।

**फसल** स्त्री. (तत्.) 1. अन्न की उपज या पैदावार 2. अन्न के पैदावार का समय या मौसम 3. किसी खास मौसम में होने वाली उपज, सब्जी आदि, फसल की चीजों में मटर, गन्ना तथा फल आदि।

**फसल क्षेत्र** पुं. (तत्.) अन्न उपजाने का क्षेत्र।

**फसली** वि. (तत्.) (अर.) 1. उपज से संबंधित या फसल से संबंधित 2. कृषि से संबंधित, मौसमी 3. फसली सन् जो अकबर के द्वारा चलाया

गया था जिसका हिसाब जमीन की माल गुजारी आदि में किया जाता था।

**फसाद** पुं. (अर.) बाधा, उपद्रव, हिंसा, दंगा, लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद, झगड़ा।

**फसादी** वि. (अर.) उपद्रव करने वाला, झगड़ालू, विवादी।

**फसाना** पुं. (फा.) कथा, वृत्तान्त, उपाख्यान, हाल-समाचार।

**फसील** स्त्री. (अर.) प्राचीर, दीवाल, चारदीवारी।

**फस्द** स्त्री. (अर.) दूषित रक्त निकालना, नशतर लगाना।

**फहम** स्त्री. (तत्.) 1. धारणा, विवेक, विचार, स्वीकृति 2. बृद्धि चिंतन 3. अनुभूति।

**फहरना** अ.क्रि. (तद्.) वायु में उड़ना या फरफराना। जैसे- झंडे फहरना।

**फहरा** वि. (अर.) अश्लील, अशोभनीय, फूहड़।

**फहराना** सं.क्रि. (तद्.) वस्त्र, ध्वजा आदि को एक ओर से बांध कर दूसरी ओर इस प्रकार खुली छोड़ देना कि वह हवा में उड़े या हिले, लहराना, उड़ाना।

**फहरानि** स्त्री. (देश.) फहराने का भाव या क्रिया।

**फाँट** पुं. (अं.) एक विशेष शैली, मोटाई तथा आकार के मुद्रण-अक्षरों का एक विशिष्ट वर्ग, टाइप वर्ग।

**फाँक** स्त्री. (देश.) 1. फल आदि का लंबाई से काटा गया टुकड़ा 2. कुछ फलों में प्राकृतिक रूप से विभाजित अंश जैसे- संतरे, मौसमी आदि में 3. प्राकृतिक रूप से खरबूजा आदि फलों पर बने हुए प्राकृतिक चिह्न, जहाँ से काट कर उसकी फाँकों को अलग किया जाता है।

**फाँकना** स.क्रि. (देश.) किसी औषधीय चूर्ण आदि को ओठ से स्पर्श किए बिना शीघ्रता से मुँह में डालकर जल से अंदर कर देना, फंकी लेना, फंकी मारना।

**फाँग** स्त्री. (देश.) एक प्रकार का खाया जाने वाला शाक।

**फाँट** स्त्री. (देश.) फाड़ने की/अलग करने की क्रिया अथवा भाव जैसे- काट-फाँट दे. फाँट।